150 फीट ऊंचाई से गिरते झरने का मनमोहक नजारा

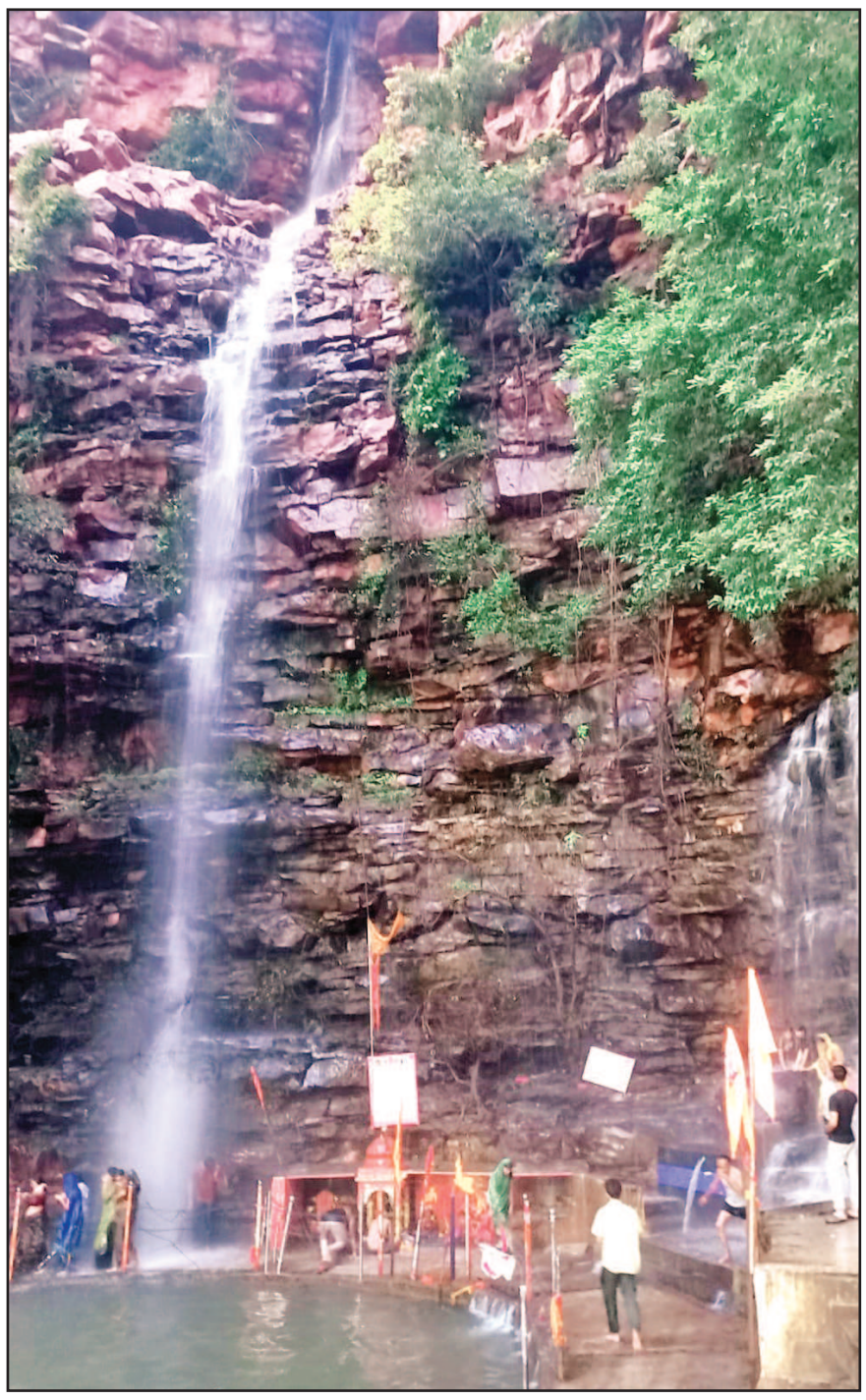

भानपुरा. लगातार हो रही बारिश के बाद भानपुरा स्थित प्रसिद्ध धार्मिक एवं पर्यटन स्थल बड़ा महादेव का प्राकृतिक झरना पूरे वेग से बहने लगा है. करीब 150 फीट की ऊंचाई से गिरती जलधारा भगवान शिव का प्राकृतिक जलाभिषेक करती हुई श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है. झरने का विहंगम दृश्य देखने के लिए सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंच रहे हैं.

बारिश के मौसम में बड़ा महादेव का यह प्राकृतिक सौंदर्य हर वर्ष हजारों श्रद्धालुओं और प्रकृति प्रेमियों को अपनी ओर आकर्षित करता है. सावन की शुरुआत के साथ ही यहां धार्मिक आस्था और प्राकृतिक छटा का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है. पहाड़ियों के बीच बहती जलधारा और हरियाली से घिरा क्षेत्र लोगों को मंत्रमुग्ध कर रहा है. इधर, तेज जलप्रवाह को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए हैं. झरने के अत्यधिक निकट जाने पर रोक लगाई गई है तथा संवेदनशील स्थानों पर बैरिकेडिंग और पुलिस बल तैनात किया गया है. प्रशासन ने श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों से अपील की है कि वे केवल सुरक्षित स्थानों से ही प्राकृतिक दृश्य का आनंद लें और किसी भी प्रकार का जोखिम उठाने से बचें. मानसून की सक्रियता के साथ बड़ा महादेव एक बार फिर मंदसौर जिले के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक आकर्षण के रूप में लोगों की पहली पसंद बन गया है.

दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान 13 जुलाई से होगा शुरू

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 8 जुलाई. प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने, किसानों, पशुपालकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी प्रत्येक पशुपालक तक आसानी से पहुंचे, इस उद्देश्य से बुधवार को पशुपालन एवं डेयरी विभाग के प्रमुख सचिव उमाकांत उमराव ने संचालनालय पशुपालन एवं डेयरी सभागार में किसानों के प्रतिनिधि मंडल के साथ बैठक की.

विभाग द्वारा संचालित योजनाओं और दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने की दिशा में किए जा रहे कार्यों पर विस्तार से चर्चा की .साथ ही उनके सुझाव भी प्राप्त किए. बैठक में प्रमुख सचिव उमराव ने किसान संघ के पदाधिकारियों को प्रदेश में पशुपालन को बढ़ावा देने, प्रदेश को दूध की राजधानी बनाने और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी. उन्होंने कहा कि पशुओं के नस्ल सुधार, पशु पोषण, टीकाकरण एवं सेक्स सॉर्टेड सीमेन के बारे में जानकारी देने के लिए प्रदेश में दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान चलाया जा रहा है. अभियान के दो चरण पूरे हो गए है. तीसरा चरण 13 जुलाई से शुरू होगा.

इसके तहत विभाग के अधिकारी कर्मचारी पशुपालकों के घर जाएंगे और उन्हें नस्ल सुधार, पशु पोषण, टीकाकरण एवं सेक्स सॉर्टेड सीमेन के बारे में जानकारी देंगे. तीसरे चरण में 3 से 4 पशु (गौवंश एवं भैंसवंश) रखने वाले पशुपालकों के यहां प्रशिक्षित विभागीय अमले द्वारा घर जाकर भेंट की जाएगी.

पीथमपुर मध्यप्रदेश का इंडस्ट्रियल ग्रोथ इंजन

नवभारत न्यूज़

इंदौर/पीथमपुर/धार, 8 जुलाई. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को पीथमपुर स्थित लिउगोंग इंडिया के नए मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का उद्घाटन किया. कंपनी ने अपनी मौजूदा इकाई के विस्तार पर 272 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश किया है.

इस विस्तार से कंपनी की वार्षिक उत्पादन क्षमता ×,250 से बढ़कर 7,500 मशीनें हो जाएगी और प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से 5,000 से अधिक रोजगार के अवसर सृजित होंगे. मुख्यमंत्री ने कहा कि पीथमपुर मध्यप्रदेश की औद्योगिक अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन है और यहां %मेक इन इंडिया-मेक इन एमपी% का मजबूत इकोसिस्टम विकसित किया जा रहा है. प्रदेश सरकार ग्रीन इंडस्ट्री, इलेक्ट्रिक व्हीकल, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग और निर्यात आधारित उद्योगों को बढ़ावा दे रही है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रा'य सरकार निवेश और औद्योगिक विकास के सभी लक्ष्य तय समय में हासिल करेगी. डॉ. यादव ने बताया कि पिछले दो वर्षों में प्रदेश में लगभग 10 हजार करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश एफडीआई आया है, जबकि वर्ष 2026 के पहले छह माह में 76,862 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं. उन्होंने कहा कि नई औद्योगिक इकाइयों से प्रदेश में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं.

एमपी पर लगातार बढ़ रहा निवेशकों का भरोसा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह केवल अनाउंसमेंट करने वाली नहीं, धरातल पर डेवलपमेंट लाने वाली सरकार है. उन्होंने कहा कि पीथमपुर मध्यप्रदेश का ही नहीं, पूरे देश का 'मैन्युफैक्चरिंग गेटवे' बन चुका है. एक माह के भीतर यहां दूसरी बड़ी वैश्विक कंपनी द्वारा नई औद्योगिक इकाई की स्थापना इस बात का प्रमाण है कि निवेशकों का भरोसा मध्यप्रदेश पर लगातार बढ़ रहा है.

दुनिया की प्रमुख हैवी अर्थ मूवर्स निर्माता कंपनियों में शामिल लिउगोंग की नई इकाई से स्थानीय एमएसएमई और ऑटो कंपोनेंट उद्योगों को भी मजबूती मिलेगी. कार्यक्रम में कंपनी के ग्लोबल वाइस प्रेसिडेंट ल्यो ग्योबिंग, कंट्री हेड वरुण विजयवर्गीय सहित जनप्रतिनिधि और उद्योग जगत के प्रतिनिधि मौजूद रहे.

बड़नगर घटना की जांच एनआईए से कराने की मांग

हाईकोर्ट ने शासन से मांगा जवाब

नव भारत न्यूज

इंदौर. उज्जैन जिले के बड़नगर में 23 जून को हुई घटना की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से कराने की मांग अब हाईकोर्ट पहुंच गई है. इस संबंध में दायर याचिका पर बुधवार को सुनवाई करते हुए मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने राज्य शासन को एक सप्ताह में अपना पक्ष रखने के निर्देश दिए हैं.

याचिकाकर्ता सुमित हार्डिया की ओर से अधिवक्ता जयेश गुरनानी ने अदालत में कहा कि बड़नगर की घटना राष्ट्रीय जांच एजेंसी अधिनियम, 2008 में वर्णित अनुसूचित अपराध की श्रेणी में आती है. ऐसे मामलों की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा की जानी चाहिए, इसलिए प्रकरण की जांच भी उसी एजेंसी को सौंपी जाए. राज्य शासन की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता राहुल सेठी ने मामले में शासन से निर्देश प्राप्त करने के लिए समय मांगा. इस पर न्यायालय ने एक सप्ताह का समय देते हुए अगली सुनवाई अगले सप्ताह निर्धारित की है. खंडपीठ ने फिलहाल जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी को सौंपने संबंधी कोई आदेश नहीं दिया है. मामले में शासन का पक्ष आने के बाद अगली सुनवाई में इस मांग पर विचार किया जाएगा.

नए शिक्षकों की ज्वाइनिंग प्रक्रिया शुरू

भोपाल, 8 जुलाई. प्रदेश के सरकारी स्कूलों में नए नियुक्त होने वाले शिक्षकों की नियुक्ति शुरू हो चुकी है. ता दें लोक शिक्षण संचालनालय ने 2025-26 के तहत चयनित माध्यमिक और प्राथमिक शिक्षकों के नियोजन की प्रक्रिया को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए हैं. विभाग ने प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को पत्र जारी कर कहा है कि नवनियुक्त शिक्षकों को 7 जुलाई से 15 जुलाई के बीच हर हाल में पदभार ग्रहण कराना सुनिश्चित किया जाए. जारी निर्देशों के अनुसार सभी नियुक्त अभ्यर्थियों को सबसे पहले जिला शिक्षा अधिकारी की स्थिति में विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में उपस्थित होना होगा. वहां नियुक्ति आदेश में उल्लेखित सभी मूल दस्तावेजों का मिलान और सत्यापन किया जाएगा. इसके साथ ही अभ्यर्थियों को आवश्यक छायाप्रतियां और जरूरी शपथ पत्र भी प्रस्तुत करने होंगे.

दिग्विजय की पद यात्रा पर उज्जैन में पसरा है सन्नाटा

नवभारत न्यूज़

उज्जैन. मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की महाकाल की नगरी उज्जैन से अयोध्या तक पदयात्रा निकालने की घोषणा कर सियासी हलचल जरूर बढ़ा दी है, बावजूद उज्जैन कांग्रेस के भीतर तस्वीर कुछ और ही नजर आ रही है. यात्रा का ऐलान हो गया, अब तक यह तय नहीं हो सका कि आखिर इस पूरी यात्रा की जिम्मेदारी कौन संभालेगा?

महाकाल मंदिर में दर्शन के बाद निकलने वाली इस यात्रा का संयोजक कौन होगा, अगुवाई कौन करेगा, व्यवस्थाओं की कमान किसके हाथ में होगी, इसे लेकर कांग्रेस के भीतर खामोशी पसरी हुई है.

रूपरेखा नहीं बना रहे-शहर कांग्रेस के नेताओं से लेकर जिला संगठन तक किसी के पास यात्रा की स्पष्ट रूपरेखा नजर नहीं आ रही. यात्रा किन-किन मार्गों से गुजरेगी, कहां-कहां मंच लगेंगे, सभाएं होंगी या नहीं, बड़े नेताओं के संबोधन होंगे या नहीं, कार्यकर्ताओं को किस तरह जोड़ा जाएगा, इसकी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है. सबसे बड़ी बात यह है कि कोई भी नेता खुलकर यह कहने को तैयार नहीं दिख रहा कि वह इस यात्रा की जिम्मेदारी संभालेगा. यही वजह है कि कांग्रेस के भीतर दबी जुबान में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं.

दिग्गी से बचना चाहते हैं कुछ नेता

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि मौजूदा हालात में कई नेता दिग्विजय सिंह के साथ खुलकर खड़े होने से बच रहे हैं. कुछ नेताओं का मानना है कि प्रदेश कांग्रेस में पहले से कई शक्ति केंद्र सक्रिय हैं और भविष्य की राजनीति को देखते हुए कोई भी ऐसा कदम नहीं उठाना चाहता, जिससे उसके राजनीतिक समीकरण बिगड़ जाएं.

मध्यप्रदेश में अगले 4 दिन तेज बारिश का अलर्ट

24 घंटे में 4 से 8 इंच तक बारिश होने की संभावना

भोपाल, 8 जुलाई . मध्यप्रदेश में मानसून पूरी तरह सक्रिय है और प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में लगातार तेज बारिश हो रही है. मौसम विभाग ने अगले चार दिनों तक भारी से अति भारी वर्षा की चेतावनी जारी की है. इस दौरान कई क्षेत्रों में 24 घंटे में 4 से 8 इंच तक बारिश होने की संभावना है.

बुधवार के लिए श्योपुर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, सागर और टीकमगढ़ में अति भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जबकि ग्वालियर, मुरैना, दतिया, कटनी, जबलपुर, रायसेन, नर्मदापुरम, इंदौर, धार, झाबुआ और अन्य जिलों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है.

मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में अब तक 200 .5 मिमी, यानी लगभग 8 इंच वर्षा हो चुकी है, जो सामान्य से करीब 5 प्रतिशत अधिक है. पश्चिमी मध्य प्रदेश में सामान्य से 21 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है, जबकि पूर्वी हिस्से में वर्षा अभी भी सामान्य से कम है. देवास जिले में इस सीजन की सर्वाधिक, लगभग 16 इंच वर्षा दर्ज की गई है. मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि जुलाई मानसून का सबसे सक्रिय महीना होता है, इसलिए आने वाले दिनों में भी तेज बारिश का सिलसिला जारी रहने की संभावना है.

लगातार हो रही बारिश से पन्ना, छतरपुर और खंडवा सहित कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं. खजुराहो क्षेत्र में कई संपर्क मार्ग बंद हो गए हैं और नदियों के जलस्तर में वृद्धि से जनजीवन प्रभावित हुआ है. मंगलवार को प्रदेश के 29 जिलों में वर्षा दर्ज की गई, जिनमें खजुराहो में सबसे अधिक लगभग पौने दो इंच बारिश हुई. वर्षा के कारण प्रदेशभर में तापमान में भी गिरावट आई है. इंदौर, भोपाल, जबलपुर और उज्जैन समेत प्रमुख शहरों में अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया गया, जबकि मलाजखंड प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां अधिकतम तापमान 25.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया.

सड़क निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीण ने शुरू की दंडवत यात्रा

मुरैना. जिले की दिमनी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम जोहां हवेली निवासी एक युवक ने जोहां-श्यामपुर मार्ग के निर्माण की मांग को लेकर अन्न-जल त्यागते हुए सांसद कार्यालय तक दंडवत यात्रा शुरू की है. ग्रामीण नवनीत सिंह तोमर ने बुधवार को मुरैना जिला मुख्यालय स्थित सांसद शिवमंगल सिंह तोमर के कार्यालय तक लगभग 30 किलोमीटर लंबी दंडवत यात्रा शुरू की. उनका कहना है कि सड़क निर्माण की दिशा में ठोस पहल होने तक उनका आंदोलन जारी रहेगा. नवनीत सिंह तोमर ने बताया कि जोहां-श्यामपुर मार्ग लंबे समय से जर्जर स्थिति में है. बरसात के दौरान सड़क कीचड़ और गड्ढों में तब्दील हो जाती है.

1 करोड़ नागरिकों तक पहुंचा साइबर सुरक्षा का संदेश

विशेष संवाददाता

भोपाल, 8 जुलाई. मध्यप्रदेश पुलिस का 15 दिवसीय प्रदेशव्यापी 'सेफ क्लिक 2.0' साइबर सुरक्षा जनजागरूकता अभियान बुधवार को संपन्न हो गया. पुलिस का दावा है कि अभियान के दौरान एक करोड़ से अधिक नागरिकों तक प्रत्यक्ष रूप से साइबर सुरक्षा का संदेश पहुंचाया गया, जबकि डिजिटल एवं सोशल मीडिया के माध्यम से छह करोड़ से अधिक लोगों तक इसकी पहुंच बनाई गई. भोपाल स्थित नरोनहा प्रशासन अकादमी के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित समापन समारोह में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने कहा कि आने वाले वर्षों में साइबर अपराध कानून-व्यवस्था के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में शामिल होंगे.

पश्चिम रेलवे-रतलाम
ई-निविदा सूचना
निविदा क्रमांकः SnT_RTM_26_07_2R_SIGNAL क्रमांकः 06.07.2026। कार्य का नामः रतलाम मंडलः नीमच-चित्तौड़गढ़ डबल लाइन सेक्शन पर शंभुपुरा-गंभीरी रोड स्टेशनों के बीच इंटरमीडिएट ब्लॉक सिग्नलिंग (आईबीएस) का प्रावधान के शेष कार्य के संबंध में एसएंडटी सामग्री की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग। **कार्य की अनुमानित लागतः** ₹10485790.32/-। **बयाना राशिः** ₹209700.00/-। **निविदा बंद करने का समय एवं दिनांकः** दिनांक 28/07/2026 समय 15.00 बजे तक। **निविदा खुलने का समय एवं दिनांकः** दिनांक 28/07/2026 समय 15.30 बजे के बाद। **कार्य पूरा करने की अवधिः** 09 माह। निविदा सिर्फ अनलाइन E-निविदा पोर्टल www.ireps.gov.in पर देखा व जमा किया जा सकता है। **निविदा अनुभाग कार्यालय प्रभारी और बोली खोलने का स्थानः** सीनियर डीएसटीई रतलाम, डीआरएम कार्यालय रतलाम म.प्र.। 0133
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पेज एक का शेष

बगलामुखी मंदिर के दान में घोटाला

मां बगलामुखी मंदिर पूरी तरह शासन के नियंत्रण में है और इसकी व्यवस्था संभालने के लिए स्थानीय एसडीएम प्रबंध समिति के अध्यक्ष होते हैं. लेकिन इस सरकारी समिति को दरकिनार कर गैर सरकारी निजी समिति द्वारा खुलेआम सोने-चांदी के आभूषण और दान की अवैध वसूली की जा रही थी. कलेक्टर ने बनाई जांच समितिः आगर कलेक्टर प्रीति यादव द्वारा मां बगलामुखी मंदिर में गैर शासकीय समिति द्वारा अवैध वसूली के मामले में एक जांच समिति गठित की है. यह समिति सात दिन के अंदर इस मामले में विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी. इस समिति में जिला पंचायत सीईओ, नलखेड़ा सीएमओ, जिला कोषालय अधिकारी को सदस्य बनाया गया है. जो गैर शासकीय समिति द्वारा की गई अवैध वसूली के मामले में जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी. किसने बनाई नलखेड़ा सुदर्शन सेवा समितिः मां बगलामुखी मंदिर में नलखेड़ा सुदर्शन सेवा समिति के नाम पर रजत सौंदर्यीकरण हेतु दान पत्र की अवैध वसूली की जा रही थी. यह पूरी तरह गैर सरकारी थी. आखिर इस समिति को बनाने वाला मास्टर माइंड कौन था. इस समिति का एकाउंट मप्र ग्रामीण बैंक नलखेड़ा में एकाउंट नंबर 01411102100000110 है.

कांग्रेस ने गेहूं, मंदिर और नर्मदा मुद्दे पर सरकार को घेरा

दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए. नर्मदा जल विवाद समझौते का उल्लेख करते हुए उमंग सिंघार ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने प्रदेश के हितों से समझौता किया है. उनका कहना था कि जहां पहले राज्य हजारों करोड़ रुपये के मुआवजे का दावा कर रहा था, वहीं अब 550 करोड़ रुपये का भुगतान करने पर सहमति जताई गई है. उन्होंने मांग की कि सरकार इस समझौते की पूरी शर्तें सार्वजनिक करे ताकि प्रदेश की जनता वास्तविक स्थिति से अवगत हो सके. सरकार किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदती है और उसे सुरक्षित रूप से वेयरहाउस तक पहुंचाने की जिम्मेदारी प्रशासन एवं संबंधित एजेंसियों की होती है. इस बार उपार्जन केंद्रों के रिकॉर्ड और वेयरहाउस में उपलब्ध वास्तविक स्टॉक के बीच बड़ा अंतर सामने आने के बाद मामले ने गंभीर रूप ले लिया है.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 RNI Reg. No.7590/60